

# डॉ. जॉर्ज पेटन, बाइबल अनुवाद, सत्र 15, अनुवाद और संचार में चुनौतियाँ, भाषाई मुद्दे, अज्ञात विचार

© 2024 जॉर्ज पेटन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. जॉर्ज पेटन द्वारा बाइबल अनुवाद पर दिए गए उनके व्याख्यान हैं। यह सत्र 15 है, अनुवाद और संचार में चुनौतियाँ, भाषाई मुद्दे, अज्ञात विचार।

अब मैं एक और अनुवाद चुनौती के बारे में बात करना चाहूँगा।

यह भाषा और संस्कृति के बीच का एक संयोजन है। यह अज्ञात विचारों का अनुवाद करने का तरीका है। एक अज्ञात विचार, वे चीजें और अवधारणाएँ हैं जो बाइबल में हैं जो ज़रूरी नहीं कि किसी अन्य संस्कृति में मौजूद हों।

इस समस्या के कारण, यह जानना चुनौतीपूर्ण है कि यदि यह अवधारणा या यह चीज़, यह वस्तु, लक्ष्य भाषा में नहीं होती है या मौजूद नहीं है, तो उन्हें प्रभावी ढंग से कैसे संप्रेषित किया जाए। इसलिए, ऐसे शब्दों का अनुवाद करने से पहले, हमें यह पता लगाना होगा कि इस शब्द का क्या अर्थ है और हो सकता है कि इसके एक से अधिक अर्थ हों। और इसलिए, लक्ष्य भाषा और लक्ष्य संस्कृति में ये अर्थ क्या हैं? और इसलिए, हमें यह पता लगाने की प्रक्रिया की आवश्यकता है कि शब्द का क्या अर्थ है।

यह एक गहन प्रक्रिया हो सकती है। इसमें दोनों पक्षों की ओर से बहुत अधिक शोध शामिल हो सकता है। इसमें बाइबल में उन आयतों को देखना शामिल है जहाँ शब्द आता है, विभिन्न अर्थों का पता लगाना और फिर यह निर्धारित करना कि कौन सा अर्थ एक विशेष आयत को दूसरे के विपरीत प्रेरित करता है।

और याद रखें, हम हमेशा कहते हैं कि शब्दों को उस संदर्भ में परिभाषित किया जाता है जहाँ वे होते हैं। आप यह नहीं कह सकते कि इसका हमेशा सभी अर्थों में एक ही अर्थ होता है। उदाहरण के लिए, अगर हम घर शब्द के बारे में सोचते हैं, तो घर, हिब्रू में घर शब्द का अनुवाद फिर ग्रीक में किया गया है, और हमें डेविड का घर मिलता है।

इसका मतलब है दाऊद का परिवार। आपके पास इस्राएल का घराना है। इसका मतलब है इस्राएल का पूरा राष्ट्र।

प्रेरितों के काम 16 में फिलिप्पी के जेलर और उसके घराने को बचाया गया। तो, उस संदर्भ में घराने का क्या मतलब है? इसका मतलब है उसका परिवार, उसके नौकर, वहाँ मौजूद हर कोई। तो यह घराना है।

और इसलिए, उनमें से प्रत्येक का एक अलग अर्थ है। और इसलिए, हमें ग्रीक और हिब्रू में इन शब्दों पर शोध करते समय इसे ध्यान में रखना चाहिए। हमें यह समझने की ज़रूरत है कि अगर उनके अलग-अलग अर्थ हैं, तो हमें यह जानने की ज़रूरत है कि कब एक दूसरे के विपरीत ट्रिगर होता है।

यहाँ कुछ अज्ञात विचारों या अवधारणाओं के उदाहरण दिए गए हैं जो हमें बाइबल में मिलते हैं। तो, पौधे और जानवर, पेड़ों के प्रकार, फल, बगीचे की फ़सलें, पौधे, भेड़, बकरी, ऊँट, गधे, घोड़े, भालू, शेर और सभी प्रकार के पक्षी। यह एक समूह है।

भौगोलिक संरचनाओं में झीलें, महासागर, समुद्र, पहाड़, रेगिस्तान, जंगल और जंगली इलाके शामिल हैं। उदाहरण के लिए, जंगल में रहने वाले लोगों के लिए आप रेगिस्तान का अनुवाद कैसे करेंगे? यही कारण है कि ये चुनौतीपूर्ण हैं। मौसम या ऋतुएँ, बर्फ, बर्फ, सर्दी, गर्मी।

जैसा कि मैंने कहा, ओरमा में हमारे पास तीन मौसम थे: गर्म, अधिक गर्म और सबसे गर्म। लेकिन वास्तव में, केन्या में, आपके पास एक शुष्क मौसम होता है, और फिर थोड़े समय के लिए बारिश होती है। और फिर आपके पास एक शुष्क मौसम होता है, और फिर लंबे समय तक बारिश होती है।

इसलिए, हम इसे लंबी बारिश और लंबा सूखा मौसम, छोटी बारिश और छोटा सूखा मौसम कहते हैं। और यही चक्र है जो हम पूर्वी अफ्रीका में पाते हैं। जब आपके पास बर्फ और बर्फ और सर्दी और ऐसी ही अन्य चीजें होती हैं तो आप क्या करते हैं? वजन और माप, क्यूबिट, स्टेडिया, सब्बाथ वॉक, ओमर।

हे भगवान, रूथ की किताब पढ़िए, जब रूथ और बोअज़ रात में मिले थे। और फिर उसमें लिखा है, अपनी शॉल उतारो, और मैं तुम्हें कुछ अनाज दूँगा। और उसमें लिखा है कि उसने उसके लिए छह नापे।

इसमें छह क्या नहीं लिखा है? हम नहीं जानते कि यह छह ओमर है या अगर यह छह है, तो क्या यह इफ्रा है? छह क्या? हम नहीं जानते। इसलिए, जब वे काना में शादी में थे, तो मरियम ने यीशु से कहा, उनके पास शराब नहीं है। और यीशु ने कहा कि अभी मेरा समय नहीं आया है।

वह कहती है, नौकरों के साथ जो भी करने को वह कहे, वही करो। और फिर वह नौकरों से कहता है, ठीक है, इन छह पत्थर के पानी के घड़ों को भर दो। और फिर यह हमें एक रकम देता है।

और फिर हमें यह पता लगाना होगा कि आप इसे कैसे संभालते हैं। वजन और माप। ठीक है, पैसा, शेकेल, दीनार, प्रतिभा। प्रतिभा भी वजन का एक माप है।

आपके पास सामान्य संस्कृति की चीजें हैं, चीजों को तौलने के लिए तराजू, एक हल, एक चक्की की नाव, एक पाल पतवार, एक ढाल, एक तीर और एक हेलमेट। और फिर आपके पास

राजघराने, राजा, रानी, सिंहासन हैं। आपके पास शतपति, आपके पास राज्यपाल, आपके पास सेना है।

आपके पास धार्मिक शब्द हैं, पुजारी, मंदिर, लेवी, ये सब। कुछ अन्य अज्ञात अवधारणाएँ अमूर्त अवधारणाएँ हैं जैसे कि आशा, विश्वास, पवित्रता और यहाँ तक कि ईश्वर शब्द भी। इसलिए, अर्थ निर्धारित करने में उस सांस्कृतिक क्षेत्र को समझना शामिल है जिससे यह शब्द संबंधित है।

और प्रत्येक भावना एक अलग डोमेन से संबंधित है। जैसा कि हमने कहा, जब आपके पास घर की एक भावना होती है, अगर आप कहते हैं कि वे पीटर के ओइकोस में गए, वह इमारत है जहाँ वह रहता था। तो, यह संदर्भ का एक संबंधपरक ढांचा है।

यदि आप दाऊद के घराने का नाम लेते हैं, तो यह संदर्भ का एक अलग ढांचा है। इसलिए, शब्द का प्रत्येक अर्थ एक अलग तस्वीर, संदर्भ का एक अलग ढांचा उत्पन्न करता है। और फिर एक बार जब शब्द का अर्थ समझ में आ जाता है, तो अगली प्रक्रिया यह जांचना है कि इस लक्ष्य भाषा में हमारे पास कौन से संभावित शब्द हो सकते हैं, जिनसे हम फिर सीख सकते हैं।

हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि पर्याप्त अर्थपूर्ण ओवरलैप हो और लक्ष्य भाषा पर इस तरफ पर्याप्त अर्थ तत्व हों जो हमें स्रोत पाठ शब्द में मिले हैं। और अनुवाद करने के लिए कोई निर्धारित तरीके नहीं हैं। और हम आपको सुझाए गए सिद्धांत या सर्वोत्तम अभ्यास देने जा रहे हैं, ऐसी चीजें जिन्हें आप अनुवाद करने की कोशिश करते समय लागू कर सकते हैं।

ठीक है, तो एक तरीका है वर्णनात्मक वाक्यांश का उपयोग करना। तो, आराधनालय के लिए, आप प्रार्थना के घर का उपयोग कर सकते हैं। मंदिर और आराधनालय, मंदिर और आराधनालय के बीच बहुत समानता है।

लेकिन मंदिर के बारे में अनोखी बात यह है कि यहीं पर जानवरों की बलि दी जाती थी और पूरे इज़राइल राष्ट्र में कहीं और ऐसा नहीं होता। खमीर, जब हमने खमीर को ओरमा में बदलने की कोशिश की तो हमें यह परेशानी हुई। और इसलिए, हम एक ऐसा पाउडर लेकर आए जिससे रोटी फूल जाती है।

आखिरकार, हमने लोगों से बात की, और उन्होंने कहा, ठीक है, हम बस यह स्वाहिली शब्द, हमीरा लेकर आए हैं। तो, फिर हमने कहा, हमीरा। अब, जब आप इन शब्दों का अनुवाद करने के बारे में सोच रहे हैं, तो इस अवधारणा को याद रखें कि भाषा पानी की तरह है जो नीचे की ओर बहती है।

यह तह तक पहुँचने के लिए कम से कम प्रतिरोध का रास्ता अपनाता है। इसलिए, लोगों के लिए जो भी इस्तेमाल करना सबसे आसान है, वे शायद वही इस्तेमाल करेंगे। इसलिए, अगर आप इस लंबी व्याख्या के साथ आते हैं, तो वे शायद बस चले जाएँगे। क्यों न हम स्वाहिली से एक शब्द उधार लें और इस पर काम खत्म कर दें? क्षमा करें, क्यों न हम स्वाहिली से एक शब्द उधार लें और इस पर काम खत्म कर दें? ठीक है, और आप इस चीज़ का वर्णन करने के लिए एक लंबी अभिव्यक्ति नहीं चाहते हैं, खासकर अगर इसका बार-बार इस्तेमाल किया जाता है।

दूसरी बात यह है कि अगर आपकी भाषा में कोई विशिष्ट शब्द नहीं है तो हम एक सामान्य शब्द का उपयोग करने का प्रयास करते हैं। तो, जककई किस तरह के पेड़ पर चढ़ा? वह एक गूलर के पेड़ पर चढ़ा। क्या कोई वास्तव में जानता है कि गूलर का पेड़ क्या होता है? और क्या यह वास्तव में मायने रखता है कि वह किस तरह के पेड़ पर चढ़ा? जहाँ तक संदेश संप्रेषित करने की बात है, तो शायद नहीं।

और इसलिए, अगर आपकी भाषा में गूलर का पेड़ शब्द नहीं है, तो उसने क्या किया? वह एक पेड़ पर चढ़ गया। जककई एक पेड़ पर चढ़ गया। हम शास्त्रों के अर्थ से कुछ नहीं छीन रहे हैं।

ओरमाह में भी हमें यही परेशानी हुई जब हम उत्पत्ति 1 कर रहे थे, और उसमें कहा गया है कि बीज वाले सभी पेड़ और पौधे और ये सभी अन्य चीजें, हमारे पास पेड़ के लिए एक शब्द है। हमारे पास पौधे के लिए भी एक शब्द नहीं है। हमारे पास झाड़ियों के लिए एक शब्द नहीं है।

हमें बस एक पेड़ कहना था। बड़े के लिए, छोटे के लिए। हमारे पास बस इतना ही था।

तो, हमने अभी सामान्य शब्द वृक्ष का उपयोग किया है। ठीक है, सामान्य शब्द के बजाय एक विशिष्ट शब्द का उपयोग करें। इसलिए, यदि उन्हें सामान्य शब्द होने में कोई समस्या है, तो आपको उस अर्थ डोमेन में से किसी एक शब्द को चुनने के लिए बाध्य होना पड़ता है।

और इसलिए मार्क 6:39 में, जब यीशु ने 5,000 लोगों को खाना खिलाया, तो उसने उन्हें हरी घास पर समूहों में बैठने के लिए कहा। और पापुआ न्यू गिनी के लोग अनुवाद सलाहकार से बात कर रहे थे, और उन्होंने पूछा, तो यह किस तरह की घास थी? मुझे नहीं पता। यह क्यों मायने रखता है? खैर, हमारे पास घास के लिए कोई शब्द नहीं है।

हमारे पास इस तरह की घास है और इस तरह की घास है। हमारे पास लगभग 10 या 15 अलग-अलग तरह की घास हैं। खैर, मुझे नहीं पता।

खैर, यह कैसा दिखता था? यह कैसा लगता था? खैर, यह हरा था, जिसका मतलब है कि यह ताज़ा था। शायद हाल ही में बारिश हुई थी, इसलिए शायद यह बैठने के लिए नरम था। वे ऐसी घास नहीं चुनना चाहते थे जिसका मतलब है कि उसमें कांटे हों, क्योंकि आप उस पर बैठते हैं और आप जा रहे हैं, यीशु ऐसा क्यों करेंगे? वह ऐसा नहीं करेंगे।

तो, उन्हें अपने 10 या 15 शब्दों में से एक शब्द चुनना था। उन्हें एक शब्द चुनना था जिसका मतलब एक तरह की घास हो जिस पर बैठना आरामदायक हो। तो यह ऐसा करने का एक तरीका है।

फिर से, याद कीजिए कि हमने दूसरे भाषण में क्या कहा था? कभी-कभी, अनुवाद में, हम जितना संभव हो सके उतना करीब पहुँचने की कोशिश करते हैं, लेकिन कभी-कभी, करीब पहुँचना ही काफी होता है। हम यहाँ यीशु ने जो किया, उससे कुछ भी कम नहीं कर रहे हैं। यह अंश के अर्थ को बर्बाद नहीं कर रहा है।

हम भाषा की भाषाई सीमाओं से विवश हैं। दूसरी बात यह है कि अगर उनकी भाषा में वह शब्द नहीं है तो दूसरा विकल्प कुछ ऐसा ही इस्तेमाल करना है। तो, अगर आप पापुआ न्यू गिनी जाते हैं और शैतान शेर की तरह घूमता है।

माफ़ करें, शेर क्या होता है? हमारे पास शेर नहीं है। इसलिए, आप क्या कहते हैं? वह एक खतरनाक जानवर की तरह घूमता है। और अगर आप खतरनाक जानवर कहते हैं, तो इसका मतलब आम तौर पर ऐसा जानवर होता है जो लोगों सहित अन्य चीज़ों पर हमला करता है।

जब आप तुलना का उपयोग करते हैं, तो हमारे पास थोड़ी अधिक स्वतंत्रता होती है क्योंकि यह एक ऐसी तुलना है जो एक शब्द चित्र को चित्रित करने का प्रयास करती है। और इसलिए, रहस्योद्घाटन में, बर्फ़ की तरह सफ़ेद वाक्यांश का उपयोग किया गया था, यीशु को संदर्भित करते हुए जब वह वास्तव में उज्वल चमक रहा था। ओरमा में, वे दूध की तरह सफ़ेद कहेंगे क्योंकि यह कुछ ऐसा है जो हर कोई जानता है कि यह सफ़ेद है, और यह सफ़ेदी का मानक है, कुछ।

तो, आप उस संस्कृति में वास्तव में श्वेत शब्द का उपयोग करते हैं। ठीक है, किसी दूसरी भाषा का शब्द इस्तेमाल करें। तो, पूर्वी अफ्रीका की बंटू भाषाओं में, ईश्वर के लिए कोई सामान्य शब्द नहीं है।

उनके पास पूर्वजों की आत्माएं हैं, फिर उनके पास कुछ स्थानों के देवता हैं, और एक भाषा में, जिसे हम पूर्वी अफ्रीका में पढ़ रहे थे, वे कछुए, नदी, सूर्य, जैसी चीज़ों की पूजा करते थे। और प्रत्येक कबीले के पास उस देवता के लिए एक अलग नाम था जिसकी वे पूजा करते थे या जिस देवता की वे पूजा करते थे। और मैंने भाषा टीम से बात की, और मैंने पूछा, तो यहाँ भगवान के लिए आपका शब्द क्या है? ओह, यह उस चीज़ के लिए शब्द है जिसकी हम पूजा करते हैं।

और मैंने कहा कि मैं वास्तव में इससे सहज नहीं हूँ। और हमारे साथ एक और अनुवाद दल था, और उन्होंने कहा, ठीक है, हमारी भाषा में भी यही समस्या है, तो आप क्या करते हैं? ईश्वर के लिए स्वाहिली शब्द मुंगू है। और भले ही ये अन्य संस्कृतियाँ स्वाहिली बोलती हों या नहीं, लेकिन पूर्वी अफ्रीका में ईसाई धर्म के प्रसार के कारण वे कम से कम इस शब्द को जानते थे।

इसलिए, भले ही स्वाहिली मुख्य भाषा नहीं थी, फिर भी वे जानते थे कि मुंगू का क्या मतलब है। और वे जानते थे कि मुंगू का मतलब उच्च देवता है, न कि कोई अन्य देवता। और इसलिए यह कहने से बचने के लिए कि ईश्वर कछुआ है या ईश्वर वह नदी है जिसकी आप पूजा करते हैं, उन्होंने इसके बजाय मुंगू का इस्तेमाल किया, और फिर इससे सभी अस्पष्टताएँ दूर हो गईं।

लेकिन ऐसा करने के लिए उन्हें किसी दूसरी भाषा से शब्द उधार लेना पड़ा। ठीक है, दूसरी भाषा से शब्द उधार लेने के अन्य उदाहरण। ठीक है, तंजानिया में किंगा भाषा, हमने उनके साथ काम किया, और वे पहाड़ों में रहते हैं।

और उस पहाड़ी क्षेत्र में, पानी का सबसे बड़ा स्रोत एक झरना या नदी है। इसलिए, वे नहीं जानते कि पानी का कोई बड़ा स्रोत क्या होता है। उनकी भाषा में इसके लिए कोई शब्द नहीं है।

सौभाग्य से, किंगा क्षेत्र के ठीक बाहर, एक बड़ी झील है, और वे लोग झील पर रहते हैं और मछली पकड़ते हैं। इसलिए वे जानते थे कि झील क्या होती है क्योंकि उन्होंने इसे देखा था। उनकी भाषा में इसके लिए कोई शब्द नहीं था, लेकिन वे जानते थे कि यह क्या है।

इसलिए, उन्होंने झील के लिए शब्द उस दूसरी भाषा से उधार लिया। क्या वे इसे स्वाहिली में कर सकते थे? हाँ। लेकिन यह दूसरी भाषा उनके ज़्यादा करीब थी और उसमें कुछ अन्य समानताएँ थीं, इसलिए यह ज़्यादा समझ में आया।

और यह कम विदेशी लग रहा था क्योंकि हर कोई उस शब्द को जानता था, क्योंकि यह दूसरी भाषा ठीक बगल में थी, और वे एक दूसरे की भाषा और शब्दावली जानते थे। ठीक है, तो आराधनालय, फरीसी, सद्रूकी, नामों के स्थानों को प्रस्तुत करने या व्यक्त करने का एक अच्छा तरीका खोजना वास्तव में कठिन है। बपतिस्मा शब्द बहुत, बहुत चुनौतीपूर्ण है।

क्या हम इसका अर्थ अनुवाद कर सकते हैं? पानी में डुबाना या डुबोना? विसर्जित करना? जब हम मसीह में बपतिस्मा लेते हैं तो क्या होता है? जब हम पवित्र आत्मा में बपतिस्मा लेते हैं या पवित्र आत्मा द्वारा बपतिस्मा लेते हैं तो क्या होता है? तो, हम देखते हैं कि बपतिस्मा जैसे शब्द के साथ ये सभी धार्मिक और आध्यात्मिक अवधारणाएँ जुड़ी हुई हैं। और इसमें, केवल अर्थ का अनुवाद करना बहुत, बहुत मुश्किल है क्योंकि आप उन सभी अन्य अर्थों और आध्यात्मिक अर्थों को खो देते हैं। इसलिए, बाइबल परंपरा, पहली अंग्रेजी बाइबल के समय से लेकर अब तक, बाइबल परंपरा, और यहाँ तक कि अन्य विदेशी भाषाओं में भी, वे इन शब्दों को ग्रीक से लिप्यंतरित करते हैं और उन्हें अंग्रेजी से उधार भी नहीं लेते हैं।

खैर, अंग्रेजी में हम बपतिस्मा शब्द का उपयोग करते हैं, और इसलिए यह इन शब्दों का लिप्यंतरण है, इन शब्दों को उधार लेना, फरीसी का लिप्यंतरण और व्याख्या करना आसान है, बजाय इसके कि एक लंबा वाक्यांश बनाने की कोशिश की जाए जो यह समझाए कि फरीसी क्या है। इसलिए, हम यह सोचने की कोशिश करते हैं कि हम इन शब्दों को सबसे अच्छे तरीके से कैसे संप्रेषित कर सकते हैं। किसी अन्य भाषा से शब्द उधार लेने के बारे में कुछ और विचार। हमें सावधान रहना चाहिए कि हम बहुत अधिक उधार न लें।

क्या स्वाहिली से मिलती-जुलती एक बंटू भाषा वास्तव में स्वाहिली के कई शब्द उधार ले सकती है? ज़रूर। लेकिन क्या होता है? अनुवाद विदेशी लगता है। यह हम नहीं हैं।

यह हमारी भाषा नहीं है। और अगर आप किसी ऐसे समूह के बारे में बात कर रहे हैं जो अभी तक नहीं पहुंचा है या ऐसे समूह के बारे में बात कर रहे हैं जहाँ बहुत से गैर-ईसाई हैं जिन्होंने बाइबल पढ़ना शुरू कर दिया है, तो वे कहेंगे, यह हमारी भाषा नहीं है। और जब वे कहते हैं कि यह हमारी भाषा नहीं है, तो वे और क्या कहते हैं? हम इस बाइबल को पढ़ना नहीं चाहते।

इसलिए, स्वीकार्यता की पूरी बात खत्म हो जाती है। और वे बाइबल को स्वीकार नहीं करते, जिसका मतलब है कि वे सुसमाचार को स्वीकार नहीं करते। और वे अनुवाद में इस्तेमाल की गई भाषा के कारण सुसमाचार को अस्वीकार करते हैं।

जरूरी नहीं कि वे जो सिखाते हैं उससे असहमत हों, बल्कि इस पूरी बाइबल की वजह से, शायद उनके पास किताबें भी न हों, शायद यह हर जगह एक अजीब बात है, लेकिन जब आप इसका अनुवाद करते हैं, तो आप ऐसा नहीं चाहते। इसलिए, हम विदेशी शब्दावली का उपयोग करने से बचते हैं। और बाइबल और सुसमाचार को अस्वीकार करके, वास्तव में वे ईश्वर को अस्वीकार कर रहे हैं।

एक तरह से, हम बहुत सारे विदेशी शब्दों का इस्तेमाल करके उन्हें परमेश्वर के साथ संबंध बनाने से रोक रहे हैं जो उन्हें और उनकी भाषा को अजीब लगते हैं। हम इससे बचना चाहते हैं। हमें बहुत सारे विदेशी शब्दों को इस्तेमाल करने से सावधान रहने की ज़रूरत है।

और इसलिए, विकल्प संख्या पांच नमक की तरह है। आप इसे भोजन में छिड़कते हैं, लेकिन आप इसमें बहुत ज़्यादा नमक नहीं डालते। छठा, आप लक्ष्य भाषा से एक शब्द का उपयोग कहाँ करते हैं और इसे फिर से परिभाषित करते हैं? तो, ग्रीक में प्यार के लिए तीन शब्द हैं, इरोस, फिलियो और अगापे।

और अगापे, मेरे शोध से मेरी समझ में आया कि यह शुरू में इतना आम नहीं था। इसका इस्तेमाल नए नियम में एक अनोखे तरीके से बिना शर्त प्यार के लिए किया जाता है। उस समय के ग्रीक में इसका मतलब जरूरी नहीं था, लेकिन इसका इस्तेमाल नए नियम, जीसस के होंठ, पॉल के लेखन आदि में किया गया था।

और इसलिए, यह ईश्वर के अगापे का अर्थ बन गया, जिसका अर्थ है कि ईश्वर में कोई पक्षपात नहीं है। वह यहूदियों को यूनानियों से ज़्यादा तरजीह नहीं देता। वह गैर-यहूदी, सीथियन, या स्वतंत्र, पुरुष या महिला का पक्ष नहीं लेता।

लेकिन सुसमाचार सभी के लिए है। और इसलिए, यह पूरा विचार कि परमेश्वर सभी लोगों के लिए प्रेम रखता है, इस शब्द अगापे में समाहित है। और इसलिए इसने अपने आरंभिक स्वरूप से बाहर अपना एक अलग जीवन बना लिया है।

और इतिहास के माध्यम से, ऐसा हुआ है, और अब इसे आज स्वीकार किया जाता है। ठीक है, तो ऑरमंड में, हमारे पास एक दिलचस्प मुद्दा था, एक समस्या, जब हम उत्पत्ति की पुस्तक का अनुवाद कर रहे थे। और मुद्दा यह था।

हमने यह कहने की कोशिश की, हम यह कैसे बता सकते हैं कि अब्राहम ने एक वेदी बनाई और बलिदान दिया? और इसलिए, मुझे बताया गया, ठीक है, हमारे पास यह पवित्र स्थान है जिसे हमने बनाया है। और यह पवित्र स्थान, आप अंदर जाते हैं, आप प्रार्थना करते हैं, जानवर वहाँ नहीं जाते, बच्चे वहाँ नहीं जाते। आप बस वहाँ जाते हैं, और आप प्रार्थना करते हैं, और आप भगवान की पूजा करते हैं।

तो, मैंने कहा, शायद हम इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। समस्या यह थी कि महला एक छोटी सी बाड़ थी। यह इस टेबल से बड़ी है, लेकिन लगभग पाँच फ़ीट की है।

और आप जमीन में लकड़ियाँ डालते हैं, और वह आपकी बाड़ है। और इसमें एक छेद है, और इस पर कोई गेट नहीं है। और आप उस छेद से अंदर जाते हैं, और आप इस बाड़ वाले क्षेत्र में होते हैं, और आप बैठ जाते हैं।

यह छोटा है, लेकिन यह एक पवित्र स्थान है - या किसी तरह से एक पवित्र स्थान है।

और इसलिए, हमने कहा, ठीक है, चलो इसे आजमाते हैं। लेकिन फिर हमने उत्पत्ति की पुस्तक के पीछे एक तस्वीर लगाई जिसका हमने अनुवाद किया और कहा, यह महला कैसा दिखता है। यह पत्थरों का ढेर है, बिना काटे हुए पत्थर, और आप इसके ऊपर जानवरों की बलि देते हैं।

और फिर आप उस लकड़ी को जलाते हैं जिस पर जानवर है, और आप उसे भगवान के लिए जलाते हैं। उन्हें यह अवधारणा समझ में आ गई। वे बलिदान के बारे में जानते थे।

वे भगवान के लिए जानवरों को जलाने के बारे में जानते थे। लेकिन हमने इस शब्द महाला को एक अलग तरीके से फिर से तैयार किया। नंबर सात, एक नया शब्द बनाएँ।

आप सोचते हैं, अच्छा, यह क्रांतिकारी है। वास्तव में, नहीं, ऐसा नहीं है। कंप्यूटर और प्रौद्योगिकी के आगमन के बाद से कितने नए शब्द आए हैं? डेटाबेस, हार्ड ड्राइव, माउस।

हमने माउस शब्द का अर्थ बदलकर माउस कर दिया। टेक्स्ट के बारे में क्या? मोबाइल फोन के आने के साथ ही टेक्स्टिंग की शुरुआत हुई। और टेक्स्ट का मतलब है लिखित दस्तावेज़।

तो, आप आज भी टेक्स्ट के बारे में बात कर सकते हैं। अखबार में छपे टेक्स्ट में यह कहा गया था। लेकिन अब इसका मतलब सिर्फ़ एक संदेश है जिसे आप मोबाइल फोन के ज़रिए किसी और को देते हैं।

जब आप कंप्यूटर का इस्तेमाल करते हैं तो इसे क्या कहते हैं? ईमेल। एक और नया शब्द। और ईमेल का मतलब क्या है? इलेक्ट्रॉनिक मेल का संक्षिप्त रूप ईमेल है।

वे सभी नए शब्द जो हमने गढ़े हैं। और फिर स्लैंग शब्द, फ्रेनीमी, हैंगरी, और ये सभी अन्य। वे हर दिन नए स्लैंग शब्द गढ़ते हैं।

कभी-कभी लक्ष्य भाषा में बाइबल में मौजूद अंतराल और अवधारणा को भरने में नवशब्दों की मदद मिल सकती है। फिर, आपको शिक्षण, फ़ुटनोट, स्पष्टीकरण और इस तरह के माध्यम से इसका अर्थ भरने की ज़रूरत है। और KJV, मुख्य रूप से विलियम टिंडेल के प्रभाव से शुरू में, बहुत सारे नए शब्दों के साथ आया क्योंकि उनके पास शब्द नहीं थे।

और इसलिए, वे यहोवा, फसह, प्रायश्चित, बलि का बकरा, दया का आसन, शोब्रेड लेकर आए। और वह उस समय के धार्मिक अधिकारियों के खिलाफ़ गया। प्रायश्चित करने के बजाय, उसने वास्तव में पश्चाताप शब्द का इस्तेमाल किया।

प्रायश्चित करने का मतलब है कि आपको भगवान से माफ़ी मांगने के लिए कुछ करना होगा और आप ये सब करेंगे, चाहे वो कुछ भी हो। लेकिन उन्होंने कहा कि पश्चाताप दिल का मामला है। आप इसे बिना कोई शारीरिक काम किए भी कर सकते हैं।

इसलिए, उन्होंने इसे लाया और इसका उपयोग किया गया। समय के साथ, ये चीजें सामान्य, मानक और यहां तक कि चर्च के बाहर सामान्य भाषा और सामान्य संस्कृति में भी सामान्य हो जाती हैं। इसलिए, जो नए शब्द लक्ष्य भाषा बाइबल में पेश किए जाते हैं, वे चर्च द्वारा, ईसाइयों द्वारा, लेकिन चर्च के बाहर भी उपयोग के माध्यम से आम हो सकते हैं।

आखिरी बात, आप इन तरीकों के संयोजन का उपयोग कर सकते हैं, कम से कम कभी-कभी, शुरुआत में। लेकिन अगर यह एक ऐसा शब्द है जिसका ज़्यादा इस्तेमाल नहीं किया जाता है, तो आप इन अलग-अलग तरीकों में से किसी एक का उपयोग कर सकते हैं। इनमें से एक तरीका है किसी वर्णनात्मक वाक्यांश को उधार लिए गए शब्द के साथ इस्तेमाल करना।

इसलिए, यदि आप आराधनालय शब्द का उपयोग करते हैं और उसका लिप्यंतरण करते हैं, तो आराधनालय और प्रार्थना का घर, या आपके पास पाठ में आराधनालय है, इसका कुछ गठन है, और जब आप किसी शब्द का लिप्यंतरण करते हैं, तो वैसे, इसे भाषा में मौजूद ध्वनियों के अनुरूप होना चाहिए। इसलिए, स्वाहिली में वे हर चीज के अंत में एक। या कोई स्वर लगाते हैं, और इसलिए यह सुनागोगी, आराधनालय है। इसलिए आप आराधनालय A, प्रार्थना का घर, ओरमा के लिए महला, वेदी के लिए महला, महला कामा, बलिदान के लिए एक स्थान, या भगवान को बलिदान करने के लिए एक स्थान कहते हैं।

तो यह एक संभावित संयोजन है। दूसरा संयोजन एक वर्णनात्मक शब्द, एक वर्णनात्मक वाक्यांश का उपयोग करना है, जिसमें नवशब्द, नया शब्द हो जो आपके दिमाग में आया हो। और फिर, हमने कहा कि आप फ़ुटनोट और शब्दावलियों का उपयोग कर सकते हैं।

आप बाइबल की एक पुस्तिका बना सकते हैं और उसमें छोटे-छोटे चित्र लगा सकते हैं, और यह पापुआ न्यू गिनी के लोगों के लिए एक ऊँट जैसा दिखता है, और आप उसका आकार और उसका रूप-रंग दिखा सकते हैं। आप जो कुछ भी इस्तेमाल कर सकते हैं, शब्दावलियाँ, ये सब, पाठक की समझ को बढ़ा सकते हैं ताकि वे जान सकें कि बाइबल किस बारे में बात कर रही है। हमें याद रखना होगा कि हम एक बहुत ही क्रांतिकारी काम कर रहे हैं, 2,000 साल से भी पहले की इस प्राचीन पुस्तक को लेकर और इसे ऐसे लोगों के समूह तक पहुँचाना जिन्हें पता ही नहीं है कि हम किस बारे में बात कर रहे हैं।

उन्हें इस बात का कोई अंदाज़ा नहीं है कि यह परमेश्वर क्या है, वह कौन है, वह क्या करता है, और वह ऐसा क्यों कर रहा है। और इसलिए, उन्हें हमारी ओर से यथासंभव मदद की ज़रूरत है ताकि वे बाइबल में इन बातों को समझ सकें। इसलिए, अनुवाद के लिए कई विकल्प हैं।

यह प्रक्रिया चर्च के साथ मिलकर की जाती है, और इसमें बहुत सारे पूर्व विचार किए जाते हैं। कभी-कभी आप इसे आजमाते हैं, और आप देखते हैं, क्या यह कुछ ऐसा है जो लोगों को समझ में आता है? क्या यह उनके लिए सहज है? क्या चर्च के नेता इसे स्वीकार करते हैं? क्या वे उपदेश देते समय इसका उपयोग कर रहे हैं? यह वास्तव में एक अच्छा लिटमस टेस्ट है, मूल्यांकन के लिए एक बहुत अच्छा उपकरण है। क्या चर्च में इसका उपयोग किया जा रहा है? पादरी उपदेश देते समय क्या उपयोग करते हैं? यदि यह वास्तव में काम नहीं करता है, वास्तव में फिट नहीं होता है, तो आप सभी एक साथ बात करते हैं और कहते हैं, ठीक है, चलो कुछ अलग विकल्पों के बारे में सोचते हैं, कुछ अन्य तरीके जिनसे हम इन अज्ञात विचारों और अवधारणाओं को संप्रेषित कर सकते हैं। तो आप अनुवाद करते हैं, लेकिन आप इनमें से कुछ मुद्दों पर लगातार पुनर्विचार करते रहते हैं।

कभी-कभी, आपको दोबारा पढ़ने की ज़रूरत नहीं होती; कभी-कभी, आपको ऐसा करना पड़ता है। जैसे आप पूरे नए नियम का अनुवाद करने के बाद वापस जाकर उसका प्रूफरीड करते हैं, वैसे ही आपको पूरी चीज़ को शुरू से लेकर आखिर तक दूसरी बार या तीसरी बार प्रूफरीड करना होगा। मुख्य शब्दों के साथ भी यही बात है।

यही बात इन अज्ञात विचारों के साथ भी है। अंत में, इस प्रस्तुति में हमने अज्ञात विचारों के बारे में बात की, लेकिन हमने कई अन्य शब्दों को शामिल नहीं किया जिन्हें हम शामिल कर सकते थे। बस समय नहीं है।

और यह बहुत अधिक जटिल है। जैसे क्या? ईश्वर, आत्मा, पवित्र, विश्वास, देवदूत और शैतान, पवित्रीकरण, औचित्य, प्रायश्चित, और यह सूची आगे बढ़ती जाती है। इनका अनुवाद करने की प्रक्रिया का मतलब है कि आप बाइबल की दुनिया, इब्रानियों और यूनानियों की दुनिया में बहुत गहराई से गोता लगाते हैं, वे अर्थपूर्ण डोमेन क्या हैं, एक साथ आने वाले शब्दों की सीमाएँ क्या हैं, आप वास्तव में उन शब्दों के बीच परस्पर क्रिया को कैसे समझ सकते हैं जो समान हैं जो एक ही डोमेन में हैं, और फिर यहाँ पर वह डोमेन क्या है जिससे यह डोमेन मेल खाता है, और हम उन शब्दों को कैसे चुनते हैं जो उस अर्थ को सबसे अधिक ले जाते हैं जिसे हम संप्रेषित करना चाहते हैं, या हमें एक नया शब्द खोजना होगा, या हमें इस अवधारणा को समझाने का कोई और तरीका अपनाना होगा।

तो, यह कम से कम एक झलक है कि हम इन अज्ञात विचारों का अनुवाद कैसे करते हैं, और मुझे आशा है कि यह आपके लिए एक आशीर्वाद रहा होगा। धन्यवाद।

यह डॉ. जॉर्ज पेटन द्वारा बाइबल अनुवाद पर दिए गए उनके व्याख्यान हैं। यह सत्र 15 है, अनुवाद और संचार में चुनौतियाँ, भाषाई मुद्दे, अज्ञात विचार।